मधुबन-2

1. आओ सीखें

पाठ-बोध

1. (क) (ii) फूल (ख) (i) शीश झुकाना (ग) (iii) हमें प्रकृति से सीखना चाहिए

2. (क) (अ) जगना और जगाना। (ख) (स) अंधकार को हरना।

3.

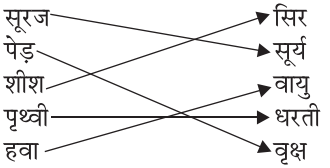

4. (क) सीखना एक व्यापक एवं जीवन-पर्यन्त चलने वाली महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है।
(ख) फलों से लदी डालियों से हमें शीश झुकाने की शिक्षा मिलती है।
(ग) सूरज की किरणें हमें जागने और जगाने की शिक्षा देती हैं।
(घ) जलता हुआ दीपक अंधकार को हर लेता है।

भाषा-बोध

5. फूल = **पुष्प**, **सुमन** सूरज = **सूर्य**, **रवि**
हवा = **वायु**, **पवन** पेड़ = **वृक्ष**, **तरु**
दूध = **दुग्ध**, **क्षीर** पृथ्वी = **धरती**, **भूमि**

6. इ (ि) = **नित**, **किरणों**, **डालियों**।
ई (ी) = **सीखो**, **दीपक**, **सबकी**।

ज्ञान-बोध

- ईश्वर ने हमें सूर्य, पृथ्वी, वायु, जल इत्यादि वस्तुएँ प्रदान की हैं।
- प्रकृति के द्वारा दी गई पाँच वस्तुएँ—पेड़-पौधे, वायु, सूर्य, पानी, पृथ्वी।

❑

2. विद्यालय का प्रथम दिन

पाठ-बोध

1. (क) (ii) कक्षा दो (ख) (i) अति परिश्रम शील (ग) (i) दूसरा (घ) (ii) गणित

2. (क) सर्वश्रेष्ठ (ख) विनम्र और कर्त्तव्यपरायण (ग) निष्ठा (घ) प्रसन्नता

3. (क) अनुराग ने कक्षा दो में प्रवेश लिया है।
(ख) विद्यालय के प्रधानाचार्य अत्यन्त विनम्र और कर्त्तव्यपरायण हैं।
(ग) अनुराग ने पिछले वर्ष कक्षा में पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया था।
(घ) अनुराग गणित विषय में कमजोर है।
(ङ) राहुल ने अनुराग को गणित विषय का अभ्यास प्रतिदिन करने की सलाह दी।

भाषा-बोध

4. (क) प्रधानाचार्य = **प्रधान + आचार्य**
शुभागमन = **शुभ + आगमन**
पुस्तकालय = **पुस्तक + आलय**
आयताकार = **आयत + आकार**
(ख) मैं = **मैंने, मेरा**
हम = **हमने, हमारा**
वह = **उसने, उसका**
वे = **उसके, उनका**

5. मोटा = **पतला**; मित्र = **शत्रु**; अच्छा = **बुरा**; दिन = **रात**; प्रसन्न = **दुःखी**; कमजोर = **बलवान**।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें।

❑

3. सूझ-बूझ और बुद्धिमानी

पाठ-बोध

1. (क) (ii) मधुबन (ख) (i) शार्ट-सर्किट के कारण (ग) (ii) गीतिका
(घ) (i) गुब्बारे पर लिखकर

2. (क) रोहित एक बिल्डिंग में रहता था, उस बिल्डिंग का नाम मधुबन था।
(ख) गीतिका का घर दूसरी मंजिल पर था।
(ग) इमारत में आग लगने के कारण हंगामा मचा हुआ था।
(घ) रोहित ने गुब्बारे पर लिखा—बिल्डिंग के पीछे रेत का ढेर लगा है। पीछे की बालकनी से नीचे पड़ी रेत पर कूद जाओ।
(ङ) रोहित की सूझ-बूझ से गीतिका की जान बची।

3. (क) पकड़ (ख) खेल (ग) बैठे (घ) कूद।

4. (क) गीतिका की मम्मी ने, पड़ोसियों से
(ख) रोहित ने, गुब्बारे वाले से
(ग) गीतिका की मम्मी ने, रोहित से

भाषा-बोध

5. (क) हो चुकी थीं। (ख) मंजिल पर था। (ग) मचा हुआ था। (घ) रो रही थी।
(ङ) फैल चुकी थी।

6. (क) क्रिया - दौड़ना, लिंग - पुल्लिग
(ख) क्रिया - बुलाना, लिंग - स्त्रीलिंग
(ग) क्रिया - रोना, लिंग - स्त्रीलिंग
(घ) क्रिया - उड़ना, लिंग - पुल्लिग

7. रात = **दिन** ऊपर = **नीचे**
जल्दी = **देर** बाहर = अन्दर
आरंभ = **अंत** सावधानी = **लापरवाही**

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें।

❑

4. स्वस्थ जीवन-सुखी जीवन

पाठ-बोध

1. (क) (i) स्वास्थ्य (ख) (ii) गोविन्द के (ग) (iii) आलस (घ) (i) चाट-पकौड़ी का

2. (क) संसार में स्वस्थ व्यक्ति ही सुखी है।
(ख) जिस व्यक्ति के पास स्वास्थ्य-रूपी धन नहीं है वास्तव में वह दु:खी व्यक्ति है।
(ग) सादा और हल्का भोजन उत्तम और पौष्टिक होता है। हल्का भोजन जल्दी पच जाता है, उससे शरीर में खून बनता है और ताकत आती है।
(ग) बाजार की चाट-पकौड़ी अक्सर बासी होती हैं। इन्हें तैयार करने में सफाई का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखा जाता जिसका शरीर पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

3. (क) धन है। (ख) बोझ है। (ग) घर हैं। (घ) सादा, हल्का व पौष्टिक हो।

भाषा-बोध

4. तन्दुरुस्त ✓, जोश ✓, मदद ✓, हमेशा ✓, सेहत ✓

5. (क) हेमन्त धनी परिवार का बेटा है।
(ख) उसका स्कूल बैग नौकर के पास है।
(ग) स्वस्थ व्यक्ति परिश्रम भी कर सकता है।
(घ) सादा और हल्का भोजन जल्दी पच जाता है।

6. परिश्रम = **परिश्रमी**; धन = **धनी**; आलस = **आलसी**।

7. स्वस्थ = **अस्वस्थ**; धनी = **निर्धन**; आलस = **परिश्रम**; दु:खी = **सुखी**; ताजा = **बासी**; सफाई = **गन्दगी**।

8.

हल्का	भोजन
थोड़ा-सा	कदम
सच्चा	सुख
तेज	परिश्रम
स्वस्थ	शरीर

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें।

❑

5. चतुर बंदर

पाठ-बोध

1. (क) (i) सड़क के किनारे (ख) (iii) बंदर धीरे-धीरे सारी रोटी स्वयं खा गया।
(ग) (i) चालाक।

2. (क) भूखी (ख) सड़क (ग) रोटी (घ) तीसरा

3. (क) बिल्लियाँ रोटी लेने के लिए आपस में झगड़ रही थीं।
(ख) बंदर ने बिल्लियों से कहा कि इतनी छोटी-सी बात पर झगड़ती हो। लाओ रोटी मुझे दो। मैं तुम्हें आधी-आधी रोटी बाँट दूँ।
(ग) बंदर ने एक तराजू ली उसने रोटी के दो टुकड़े किए। रोटी के टुकड़ों को पलड़ों में रखा और तोलने लगा। जिधर का पलड़ा झुकता, बंदर उधर के टुकड़े का कुछ भाग खा जाता था।
(घ) बिल्लियों की आपसी लड़ाई में पूरी रोटी बन्दर खा गया, जिससे बिल्लियों को कुछ नहीं मिला।
(ङ) बिल्लियों की लड़ाई से बन्दर को पूरी रोटी का लाभ हुआ।

भाषा-बोध

4. गयी = **गयीं**, थी = **थीं**, किया = **किये**

5. **वे** बिल्लियाँ, **वह** बंदर; **वह** रोटी, **वे** टुकड़े

ज्ञान-बोध

❖ अगर बिल्लियाँ आपस में न झगड़तीं तो बंदर उनका बँटवारा करने नहीं आता और वे आपस में ही रोटी बाँटकर आधी-आधी खा लेतीं।

❑

6. पर्वतराज हिमालय

पाठ-बोध

1. (क) (i) उत्तरी (ख) (iii) दृढ़ विश्वास (ग) (ii) हिम की ठण्डी वर्षा

2. (क) पहरेदार बना **उत्तर** में;
सीमा पर है अड़ा हुआ।
(ख) **उन्नति** के शिखरों पर चढ़कर,
भारत का **यश** फैलाएँ।

3. (क) हाँ (ख) नहीं (ग) हाँ (घ) नहीं।

4. (क) कवि ने हिमालय को भारत का पहरेदार इसलिए कहा है, क्योंकि हिमालय ने आँधी-तूफानों और ठण्डी बर्फीली वर्षा को स्वयं सहकर हमारी रक्षा की है।
(ख) आँधी और तूफानों में भी हिमालय सदा अटल खड़ा रहता है।

(ग) हिमालय से हमें यह सन्देश मिलता है कि हम भी अपने पथ पर इसी तरह अड़िग रहें।

(घ) हम उन्नति के शिखरों पर चढ़कर भारत का यश फैला सकते हैं।

भाषा-बोध

5.

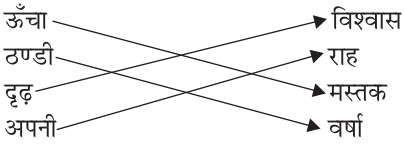

6.

		उ
		त्त
शि	**ख**	र

अ	**डि**	ग
ट		
ल		

वि	**श्वा**	स
		न्दे
		श

7. दुकान + **दार** = **दुकानदार** हवल + **दार** = **हवलदार**
चौकी + **दार** = **चौकीदार** पल्ले + **दार** = **पल्लेदार**

ज्ञान-बोध

❖ भारत का मानचित्र दें।

❑

7. माँ की ममता

पाठ-बोध

1. (क) (i) जिनके सींग नहीं होते थे। (ख) (ii) माँ का दूध पीने के लिए
(ग) (iii) जंगल में (घ) (i) माँ

2. (क) तेंदुए, (ख) बछड़े, (ग) पड़ोसी, (घ) जंगल, (ङ) माँ।

3. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) (घ)

4. (क) तेंदुआ रात के समय गाँव में आकर बछड़ों और कुत्तों को उठा ले जाता था।
(ख) तेंदुआ बिना सींग वाले पशुओं का शिकार किया करता था।
(ग) गाय ने अपने बछड़े को बचाने के लिए तेंदुए का पीछा किया और उसका डटकर सामना किया।
(घ) तेंदुए को लोगों द्वारा मारकर भगाया गया।

भाषा-बोध

5. (क) तेंदुआ, (ख) बछड़ों, कुत्तों, (ग) गाय, तेंदुए, (घ) पशु, बच्चों

6. माँ = **माता**, **जननी**; गाय = **गौ**, **धेनु**; रात = **निशा**, **रात्रि**;
आदमी = **व्यक्ति**, **मनुष्य**; जंगल = **वन**, **कानन**।

7. तेंदुआ बछड़े को ले भागा।
गाय ने तेंदुए को सींगों से मारा।

उसने पड़ोसी को पुकारा।

दुष्ट तेंदुए के पकड़े जाने पर गाँव वालों को खुशी हुई।

8. छात्र स्वयं करें।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

8. स्वच्छता

पाठ-बोध

1. (क) (i) स्नान करना चाहिए। (ख) (ii) मंजन करना चाहिए।

(ग) (iii) उपर्युक्त दोनों बार।

2. (क) दाँत (ख) मंजन (ग) प्रतिदिन (घ) स्वस्थ

3. (क) रचित स्कूल से लौटकर रो रहा था।

(ख) अधिक टॉफी, चॉकलेट खाने से दाँत सड़ जाते हैं।

(ग) सोकर उठने के बाद और रात में सोने से पहले मंजन करना चाहिए।

(घ) स्वयं को स्वस्थ और स्वच्छ रखने के लिए हमें अपने शरीर की सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। हमें प्रतिदिन नहाना चाहिए, साफ कपड़े पहनने चाहिए, बालों में कंघी करनी चाहिए और नाखूनों को काटते रहना चाहिए।

(ङ) अंत में रचित ने डॉक्टर अंकल से कहा कि अंकल! अब मैं इन सभी बातों का हमेशा ध्यान रखूँगा।

4. (क) रात में सोने से पहले → मंजन करना चाहिए।

(ख) अधिक टॉफी, चॉकलेट खाने से → दाँत सड़ जाते हैं।

(ग) रचित सिसक-सिसककर → रो रहा था।

(घ) डॉक्टर ने बताया → इसके दाँत में कीड़े लग रहे हैं।

भाषा-बोध

5.

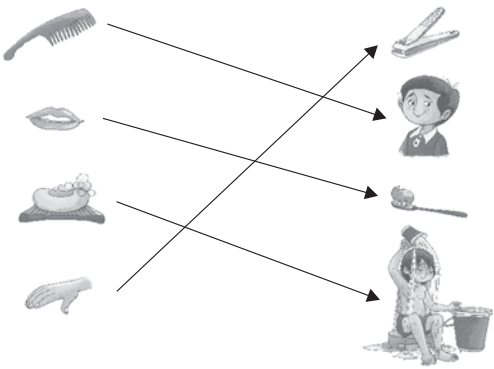

6. देख + **कर = देखकर** सो + **कर** = **सोकर**
नहा + **कर** = **नहाकर** खेल + **कर** = **खेलकर**
पहन + **कर** = **पहनकर**

7. अंकल = **चाचा**; स्कूल = **विद्यालय**; पार्क = **बगीचा**; टॉफी = **टॉफी**।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

9. तेनालीराम का जादू

पाठ-बोध

1. (क) (i) चतुर (ख) (iii) सोने की चम्मच
(ग) (i) जादू का खेल (घ) (ii) चम्मच चुराने वाले अतिथि ने।

2. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓

3. (क) मुश्किल पड़ने पर कृष्णदेव राय तेनालीराम को इसलिए बुलाते थे, क्योंकि उनके पास हर विपदा का कोई-न-कोई हल होता था।
(ख) कृष्णदेव राय ने अपने यहाँ लोगों को भोजन के लिए बुलाया।
(ग) भोजन करते समय एक अतिथि ने सोने का चम्मच अपनी जेब में रख लिया था। परन्तु कृष्णदेव राय के सामने यह मुश्किल थी कि वे अतिथि का अपमान भी नहीं करना चाहते थे और उससे वह चम्मच भी निकलवाना चाहते थे।
(घ) अतिथि की जेब से सोने का चम्मच निकलवाने के लिए तेनालीराम ने जादू का खेल दिखाने का बहाना किया।
(ङ) जादू के खेल पर कृष्णदेव राय ने सबसे अधिक जोर से व देर तक ताली बजाई।

भाषा-बोध

4. विपदा = **संकट** हल = **समाधान** अतिथि = **मेहमान**
इशारा = **संकेत** अपमान = **अनादर** चारा = **उपाय**
राजकर्मचारी = **दरबारी** बुदबुदाना = **बड़बड़ाना**।

5. (क) कोई-न-कोई, (ख) किन्तु, (ग) और, (घ) जिसने, (ङ) कि, (च) किन्तु।

6. लिखना = **लिखवाना** ढूँढना = **ढुँढवाना** बुलाना = **बुलवाना**
पकड़ना = **पकड़वाना** चलाना = **चलवाना** उठाना = **उठवाना**
बजाना = **बजवाना**।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

10. सोने का हिरण

पाठ-बोध

1. (क) (iii) श्रीराम
(ख) (i) रावण की बहन
(ग) (i) विवाह का
(घ) (ii) सोने के हिरण का
(ङ) (ii) राम ने लक्ष्मण से

2. (क) श्रीराम अपने पिता राजा दशरथ की आज्ञा मानकर वन गए। उनके साथ उनकी पत्नी सीता तथा उनका भाई लक्ष्मण भी थे।
(ख) शूर्पणखा घूमती-फिरती वन में चली गई थी।
(ग) वन में राम-लक्ष्मण पंचवटी नाम के एक सुंदर स्थान पर एक कुटिया में रहते थे।
(घ) रावण और मारीच ने राम-लक्ष्मण से बदला लेने के लिए सीता हरण की योजना बनाई।
(ङ) रावण राम-लक्ष्मण से अपनी बहन शूर्पणखा के अपमान का बदला लेना चाहता था।
(च) सोने के हिरण के लोभ के कारण रावण सीता को उठा ले गया।

3. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓

भाषा-बोध

4. सर्वनाम — वह, मैं, तुम, मुझसे।

5.

वेश	बदलना
बदला	लेना
आज्ञा	मानना
क्रोध	आ जाना
विवाह	करना
युद्ध में	हराना
कष्ट	उठाना

6. छात्र स्वयं करें।

7. (ख) बहुत क्रोधित होना।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

11. बरसो बादल

पाठ-बोध

1. (क) (i) वर्षा से
(ख) (ii) काला
(ग) (iv) बादल
(घ) (i) सोहन लाल द्विवेदी

2. (क) वर्षा ऋतु में बादलों से रिमझिम करके और धीरे-धीरे बरसने को कहा गया है।
(ख) रिमझिम वर्षा होने से हमारा मन और शरीर दोनों ही प्रसन्न हो जाते हैं, क्योंकि झुलसा देने वाली गरमी के बाद वर्षा राहत का अहसास लेकर आती है।
(ग) पानी बरस जाने से मौसम सुहावना हो जाता है।
(घ) पानी बरसने से तन-मन ठण्डे हो जाते हैं।

3. (ख) बरसता (ग) निकलता (घ) चमकती (ङ) खेलते

भाषा-बोध

4.

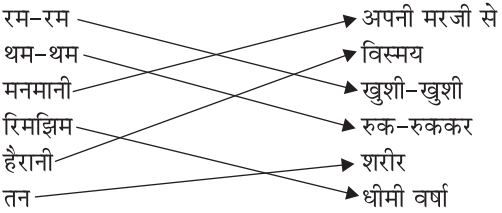

5. गरमी = **सरदी** आज = **कल** ठंडा = **गरम**
धीरे = **शीघ्र** आकाश = **पाताल** मरना = **जन्म**

6. ा = बादल, आज, ठंडा, जाए
ी = पानी, मनमानी, धीरे, हैरानी, नानी, गरमी
े = नहाएँगे, धीरे, जिससे, मेरा, हमें
ो = बरसो, हो।

ज्ञान-बोध

- छात्र स्वयं करें
- फावड़ा, दरांती, हल।

❑

12. परिश्रम का परिणाम

पाठ-बोध

1. (क) (i) खाने की सामग्री (ख) (ii) भविष्य की
(ग) (iii) गाना गा रहा था (घ) (iv) जमीन के अन्दर

2. (क) दोपहर के समय सभी अपने-अपने घरों में आराम कर रहे थे।
(ख) टिड्डे ने चींटियों से कहा कि, लालची चींटियों!
क्यों इस गरमी में जान दे रही हो? थोड़ा आराम कर लो। तुम सब कितनी लालची हो! मुझे देखो, मैं खा-पीकर मस्त हूँ। जिंदगी के मजे ले रहा हूँ।
(ग) चींटी ने टिड्डे से कहा कि टिड्डे भाई! हम लोग बरसात के दिनों के लिए खाने का सामान इकट्ठा कर रहे हैं। तुम्हें भी भविष्य के लिए कुछ इकट्ठा कर लेना चाहिए।

(घ) बरसात के समय में टिड्डे ने चींटी से कहा कि चींटी बहन। कृपा कर मुझे भी खाने के लिए कुछ दे दो। मैं बहुत भूखा हूँ।

(ङ) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि आज की बचत ही हमारे भविष्य में काम आती है।

3. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✗

4. (क) गरमी, (ख) हँसने, (ग) जमीन, (घ) दरवाजा।

भाषा-बोध

5. (क) मैना **गाती** है। (ख) रवि **खेलता** है। (ग) वह स्कूल **जाता** है।
(घ) मोहित होमवर्क **करता** है। (ङ) नमन पार्क में **दौड़ता** है।

6. चींटि = **चींटी** साम्रगी = **सामग्री** इकट्टा = **इकट्ठा**
वयस्त = **व्यस्त** अनदर = **अन्दर** प्रसंशा = **प्रशंसा**

ज्ञान-बोध

- टिड्डा आराम से लेटकर गाना गा रहा था।
- टिड्डे के लिए भोजन जुटाना मुश्किल हो गया वह भूख से मरने लगा, इसलिए उसे चींटियों की याद आई।
- हमें अपने सभी काम समय पर कर लेने चाहिए जिससे भविष्य में हमें किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। ❑

13. कछुए की समझदारी

पाठ-बोध

1. (क) (ii) गरम रेत पर बैठने का (ख) (iii) छींकने
(ग) (i) उसने कछुए की बात पर यकीन कर लिया कि पानी में भीगने से उसकी पीठ नरम हो जाएगी और फिर वह इसे आसानी से खा सकेगा।

2. (क) गुजर, (ख) गीदड़, (ग) नरम,
(घ) पानी, (ङ) मूर्खता

3. (क) कछुए नदी में रहते थे।
(ख) गीदड़ बहुत भूखा था और वह कछुए को खाना चाहता था।
(ग) कछुए ने अपने सभी अंग मजबूत पीठ के नीचे समेट लिए थे, इसलिए गीदड़ कछुए को नहीं खा सका।
(घ) कछुए की मजबूत पीठ को नरम करने के लिए गीदड़ ने कछुए को नदी में धकेल दिया।
(ङ) दोनों में कछुआ समझदार था।

भाषा-बोध

4. बहुत = **कम** पास = **दूर** गरम = **ठण्डा** भारी = **हल्का**
ऊपर = **नीचे** नरम = **सख्त** ठीक = **गलत**

5.

चिड़िया

मछली

मधुमक्खी

लड़की-लड़का

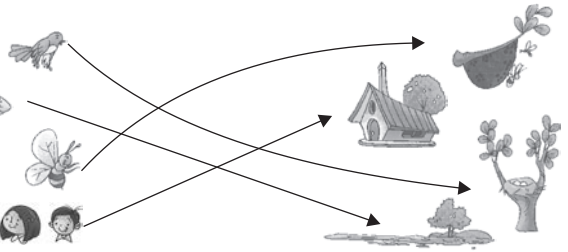

ज्ञान-बोध

❖ कछुआ अपने निरन्तर प्रयास के कारण खरगोश से दौड़ में जीत गया।

❑

14. बीरबल की चतुराई

पाठ-बोध

1. (क) (ii) नौ (ख) (ii) मूर्ख (ग) (iii) बीरबल ने अकबर से
(घ) (i) बेटे की जिद के कारण (ङ) (iii) हाथी

2. (क) अकबर एक महान मुगल सम्राट थे।
(ख) अकबर के नौ प्रमुख मन्त्री नवरत्न कहलाते थे।
(ग) बेटे की जिद के कारण राजकर्मचारी दरबार में देर से आया।
(घ) बच्चे बने बीरबल ने मिट्टी का लोटा और हाथी माँगा।
(ङ) बीरबल ने बच्चा बनने का नाटक अकबर को बच्चे की जिद समझाने के लिए किया।
(च) बच्चा बनने का नाटक करते हुए बीरबल ने अन्त में हाथी को लोटे के अन्दर डालने की जिद की।
(छ) अकबर बीरबल की जिद इसलिए पूरी न कर सके, क्योंकि हाथी को लोटे के अन्दर डालना असम्भव था।

3. (क) अच्छा न लगता। (ख) से हटाते हैं। (ग) गरीब आदमी हूँ।
(घ) झुकना पड़ता है। (ङ) स्वीकार की।

भाषा-बोध

4. (क) गरीब, (ख) महान, (ग) नौ,
(घ) हाजिर-जवाब, (ङ) सरल

5. घटना = **घटनाएँ** माता = **माताएँ** कन्या = **कन्याएँ**
कविता = **कविताएँ** माला = **मालाएँ** कक्षा = **कक्षाएँ**
साँस = **साँस** लोटा = **लोटे** बड़ा = **बड़े**
बच्चा = **बच्चे** पाठशाला = **पाठशालाएँ**

अध्यापिका = **अध्यापिकाएँ** ऋतु = **ऋतुएँ**

चीज = **चीजें** गहना = **गहने**।

6. (ख) कुम्हार, (ग) सुनार, (घ) लकड़हारा, (ङ) कक्षाकार्य, (च) गृहकार्य, (छ) स्वदेशी, (ज) विदेशी।

7.

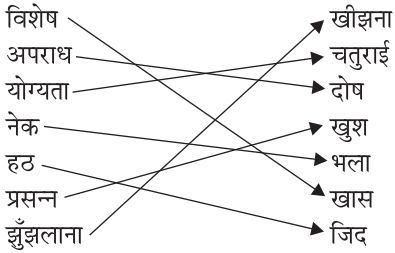

ज्ञान-बोध

- छात्र स्वयं करें।
- बीरबल बहुत ही नेक, विद्वान और हाजिर-जवाब थे। वे अपनी बुद्धिमत्ता से बड़ी-से-बड़ी समस्या का समाधान भी मिनटों में निकाल देते थे। इसी कारण सम्राट अकबर बीरबल को बहुत चाहते थे।

❑

15. नन्हे पौधे की अभिलाषा

पाठ-बोध

1. (क) (i) पेड़ों से (ख) (iv) ये सभी

(ग) (i) प्राणवायु (घ) (i) गिल्लू ने

2. (क) गिल्लू दादा जी की अँगुली पकड़कर पार्क की ओर चला जा रहा था।

(ख) पौधे का जन्म धरती की गोद में हुआ।

(ग) पौधा माली और प्रकृति की सहायता से बड़ा हुआ।

(घ) पौधे के दादाजी को एक आदमी ने कुल्हाड़ी से काट दिया।

3. (क) पौधा, (ख) घबरा, (ग) अंकुर, (घ) खुश, (ङ) नटखट, शरारती।

भाषा-बोध

4. (ख) मालिन पौधे को पानी देती थी। (ग) दादी जी नहा रही थी।

5. म् + म = म्म = **मम्मी, सम्मान**। च् + छ = च्छ = **अच्छा, इच्छा**।

च् + च = च्च = **बच्चा, सच्चा**।

6. पेड़ = **गेहूँ**, पौधा = **नटखट**,

माली = **जहाज**, पार्क = **दुकानें**

ज्ञान-बोध

- छात्र स्वयं करें।

❑

16. स्वागत-सत्कार

पाठ-बोध

1. (क) (i) स्वागत (ख) (iii) ठण्डा शीतल जल (ग) (ii) फिर से आएँ

2. (क) जब भी कोई **घर** पर आएँ।
आसन दें सादर बैठाएँ।
(ख) जब भी कोई घर पर **आएँ**।
खाना-पीना भी करवाएँ।
(ग) जब भी कोई घर से **जाएँ**।
उठ **दरवाजे** तक पहुँचाएँ।।

3. (क) जब भी कोई अतिथि आपके घर पर आए तो उसके साथ मधुर बोलचाल के साथ बातें शुरू करें!
(ख) जब भी अतिथि आएँ तो उन्हें स्वागत के साथ अन्दर ले जाएँ और उनके जाते वक्त फिर से आने के लिए कहें जिससे आना-जाना मधुर बना रहेगा।

4. (क) घर पर आने वाले आदमी का स्वागत हाथ जोड़कर और शीश झुकाकर करना चाहिए।
(ख) घर पर मेहमान को आसन पर बैठाकर भोजन कराना चाहिए।
(ग) घर पर आए मेहमान से मीठा बोलकर बातचीत करनी चाहिए।
(घ) घर से जाते समय मेहमान को दरवाजे तक छोड़ना चाहिए और फिर से आने के लिए कहना चाहिए।

भाषा-बोध

5. (क) बैठाएँ = **बैठाना** जाएँ = **जाना**
करवाएँ = **करवाना** पिलवाएँ = **पिलवाना**
पहुँचाएँ = **पहुँचाना** चलाएँ = **चलाना**
नवाएँ = **नवाना**।
(ख) उठना-बैठना = **उठना और बैठना** कूदना-फाँदना = **कूदना और फाँदना**
आना-जाना = **आना और जाना** चढ़ना-उतरना = **चढ़ना और उतरना**

6. सहर्ष = स + **हर्ष** = **हर्ष सहित** सफल = स + **फल** = **फल सहित**
सजीव = स + **जीव** = **जीव सहित**।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

17. भालू और शिकारी

पाठ-बोध

1. (क) (i) वह एक वृक्ष पर चढ़ गया। (ख) (ii) शेर से छुटकारा पाने के लिए
(ग) (iii) शिकारी ने।

2. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ✗, (ङ) ✗

3. (क) शिकारी जंगल में आखेट करने गया था।

(ख) शिकारी को घर की ओर लौटते हुए जंगली भालू मिल गया था।

(ग) शिकारी व भालू शेर से अपनी जान बचाने के लिए मित्र बन गए थे।

(घ) शिकारी को सोया देखकर शेर ने भालू से कहा कि वह शिकारी को नीचे धक्का दे दे जिससे मैं उसे खा लूँगा और मेरी भूख मिट जाएगी और तुम्हारी जान बच जाएगी।

(ङ) भालू ने उत्तर दिया कि अब शिकारी मेरा मित्र है और मैं उसके साथ विश्वासघात नहीं करूँगा।

(च) शेर ने शिकारी से कहा कि भालू को नीचे धक्का दे दो, जिससे मैं उसे खाकर अपनी भूख मिटा लूँगा और तुम्हारी जान बच जाएगी।

(छ) शेर की बात सुनकर शिकारी ने भालू को पेड़ से नीचे धक्का दे दिया।

(ज) जान बच जाने पर भालू ने शिकारी से कहा कि तुमने मित्रता के नाम पर विश्वासघात किया है। आज से जंगल का कोई भी जानवर मनुष्य जाति का विश्वास नहीं करेगा।

भाषा-बोध

4. (क) पुरानी, (ख) अच्छा, (ग) नीचे, (घ) मित्रता, (ङ) मित्र।

5.

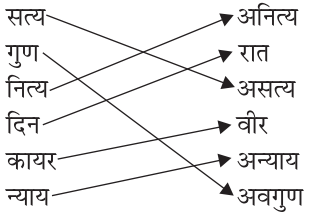

सत्य = **असत्य**
गुण = **अवगुण**
नित्य = **अनित्य**
दिन = **रात**
कायर = **वीर**
न्याय = **अन्याय**

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें।

क्रियाकलाप

❖ छात्र स्वयं करें

अर्द्धवार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

1. (क) (ii) फूल (ख) (i) शीश झुकाना (ग) (ii) कक्षा दो

(घ) (i) गुब्बारे पर लिखकर (ङ) (iii) बंदर धीरे-धीरे सारी रोटी स्वयं खा गया।

2. (क) तेंदुए, (ख) बछड़े, (ग) पड़ोसी, (घ) जंगल, (ङ) माँ।

3. (क) फलों से लदी डालियों से हमें शीश झुकाने की शिक्षा मिलती है।

(ख) गीतिका का घर दूसरी मंजिल पर था।

(ग) इमारत में आग लगने के कारण हंगामा मचा हुआ था।

(घ) बिल्लियों की लड़ाई से बंदर को पूरी रोटी का लाभ हुआ।

(ङ) कवि ने हिमालय को भारत का पहरेदार इसलिए कहा है, क्योंकि हिमालय ने आँधी तूफानों और ठण्डी बर्फीली वर्षा को स्वयं सहकर हमारी रक्षा की है।

4. (क) रात में सोने से पहले → दाँत सड़ जाते हैं।
(ख) अधिक टॉफी, चॉकलेट खाने से → मंजन करना चाहिए।
(ग) रचित सिसक-सिसककर → इसके दाँत में कीड़े लग रहे हैं।
(घ) माँ रचित को लेकर → रो रहा था।
(ङ) डॉक्टर ने बताया → डॉक्टर के पास गई।

5. फूल = **पुष्प**, **सुमन** सूरज = **सूर्य**, **रवि** हवा = **वायु**, **पवन**
पेड़ = **वृक्ष**, **तरू** दूध = **दुग्ध**, **क्षीर**

6. मोटा = **पतला** मित्र = **शत्रु** अच्छा = **बुरा**
दिन = **रात** प्रसन्न = **दुःखी**

7. (क) धन है। (ख) बोझ है। (ग) घर हैं।
(घ) सादा, हल्का और पौष्टिक हो। (ङ) सूझ-बूझ।

वार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

1. (क) (ii) चम्मच चुराने वाले अतिथ ने (ख) (ii) राम ने लक्ष्मण से
(ग) (ii) भविष्य की
(घ) (i) उसने कछुए की बात पर यकीन कर लिया कि पानी में भीगने से उसकी पीठ नरम हो जाएगी और फिर वह इसे आसानी से खा सकेगा।
(ङ) (ii) शेर से छुटकारा पाने के लिए।

2. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ✗, (ङ) ✓

3. (क) श्रीराम अपने पिता राजा दशरथ की आज्ञा मानकर वन गए। उनके साथ उनकी पत्नी सीता तथा उनके भाई लक्ष्मण भी थे।
(ख) शूर्पणखा घूमती-फिरती वन में चली गई थी।
(ग) रिमझिम वर्षा होने से हमारा मन और शरीर दोनों ही प्रसन्न हो जाते हैं, क्योंकि झुलसा देने वाली गरमी के बाद वर्षा राहत का अहसास लेकर आती है।
(घ) गीदड़ बहुत भूखा था और वह कछुए को खाना चाहता था।
(ङ) गिल्लू दादा जी की अँगुली पकड़कर पार्क की ओर चला जा रहा था।

4. सत्य → असत्य
गुण → अवगुण
नित्य → अनित्य
दिन → रात
कायर → वीर

5. बादल-बादल **बरसो** पानी,
आज नहाएँगे **मनमानी**।
रिमझिम बरसो, रम-रम बरसो,
धीरे-धीरे थम-थम **बरसो**।

6. फावड़ा, दरांती, हल।

❑